VISION IAS

www.visionias.in

VISION IA
M N 09 OCT 2017
SUB... HOURS
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 873)

Name of Candidate	आनंद कुमार मीना		
Medium Eng./Hindi	हिन्दी	Registration Number	6189
Center	डॉ मुखर्जी नगर, दिल्ली	Date	08/10/2017

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	25	
14	25	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in ENGLISH & HINDI
   इसमें चौदह पश्न हैं अंग्रजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) The more remotely power is exercised from the people, the greater is the distance between authority and accountability. Discuss. 10

(a) जितना लोगों से सत्ता का प्रयोग दूर होगा, उतना ही अधिक प्राधिकारी और जवाबदेही के बीच अंतर होगा। चर्चा कीजिए।

किसी भी प्राधिकारी की जवाबदेही तय करने का सबसे आसान तरीका है निर्णय निर्माण में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करना। वर्तमान समय में भ्रष्टाचार, अपारदर्शिता और अदक्षता जैसी समस्याएँ प्रशासन में व्याप्त है जिसका मूल कारण प्राधिकारियों की जवाबदेयता का अभाव है। इस जवाबदेयता को तय करने हेतु एवं लोगों की सत्ता में भागीदारी देने हेतु निम्न उपाय सुझाए जा सकते है —

1) सिटिजन चार्टर का निर्माण
2) सूचना का अधिकार अधिनियम की सुदृढ़ता एवं प्रचार।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लेकिन इन सब उपकरणों का प्रयोग करने हेतु जनता की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उक्त पंचायतीराज संस्थाओं में पारदर्शिता लाने व जवाबदेयता तय करने हेतु सामाजिक अंकेक्षण जैसे उपकरण लोगों को सत्ता प्रदान करने का सर्वोत्तम उदाहरण है।

इस प्रकार जनता को सत्ता के नजदीक लाकर एवं सशक्त शक्ति प्रदान कर प्राधिकारियों की जवाबदेही तय की जा सकती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** "If you want others to be happy, practice compassion. If you want to be happy, practice compassion". In what ways can a compassionate public official be more useful for realizing public service goals? 10

(b)"यदि आप दूसरों को प्रसन्न रखना चाहते हैं, तो करुणावान बनें। यदि आप प्रसन्न रहना चाहते हैं तो करूणा अपनाएं।" किस प्रकार से एक करुणावान लोक सेवक सार्वजनिक सेवा के लक्ष्यों को साकार करने के लिए अधिक उपयोगी हो सकता है?

करुणा से तात्पर्य समाज के वंचित, कमजोर एवं उत्पीड़ित समूह के प्रति सेवा का विशेष भाव रखने से है।

जब आप कमजोर वर्ग जैसा वृद्ध, बच्चे, दलित, गरीब आदि के प्रति निःस्वार्थ भाव से मदद हेतु तैयार रहते हैं तो यह करुणा है। दूसरों की सेवा करने के संदर्भ में ही महात्मा गांधी ने कहा है- "दूसरों की सेवा में खुद को खो देना ही सर्वोत्तम सुख है।"

एक लोक सेवक के लिए करुणावान होना एक वांछित मूल्य है। निम्न रूपों में करुणावान लोकसेवक सार्वजनिक सेवा के लक्ष्यों को साकार करने के लिए अधिक उपयोगी हो सकता है-

- वंचित वर्गों के लिए आवंटित फंड

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का प्रयोग उसी वर्ग हेतु दक्षतापूर्वक करना।

- ऐसा लोक सेवक अपने कार्यालयी समय सीमा से आगे जाकर भी वंचित वर्ग हेतु कार्य करेगा।
- समतापूर्ण समाज की स्थापना हेतु कार्य करेगा।
- सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता कमज़ोर वर्ग के प्रति सुनिश्चित करेगा। उदा. दिव्यांग लोगों हेतु विशिष्ट अवसंरचना निर्माण।

इस प्रकार करुणावान लोक-सेवक 'कल्याणकारी राज्य' की भूमिका को मूर्त रूप प्रदान करने में योगदान दे सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** The recent decision by the government to ban use of red beacons is only a symbolic gesture and a lot more needs to be done to end the VIP culture in India. Critically discuss. 10

(a) लाल बत्ती के प्रयोग पर प्रतिबन्ध सम्बन्धी सरकार का हालिया निर्णय केवल एक प्रतीकात्मक संकेत हैं और भारत में वीआईपी संस्कृति समाप्त करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। आलोचनात्मक रूप से चर्चा कीजिए।

हाल ही में सरकार ने आपातकालीन सेवाओं के अतिरिक्त सभी वाहनों पर लाल बत्ती के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।

यह कदम वी.आई.पी. संस्कृति को समाप्त करने के संबंध में एक सकारात्मक पहल है। लेकिन, भारतीय राजनीति एवं अफसरशाही में 'VIP culture' इतने कहीं अधिक गहरी जड़ें लिए हुए है। भारतीय समाज में इसे हम निम्न रूपों में देख सकते हैं →

- रेल सीटों में 'VIP Quota' का प्रावधान।
- लाल बत्ती बैन करने पर वाहनों पर स्टेड लगाने का तरीका एक राज्य में निकाला गया है।
- राजनेता एवं सिविल सेवकों द्वारा स्वयं को जनता का सेवक या समझ की मालिक समझना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- राजनेताओं द्वारा किसी हालत के घर जाना जाने के दौरान नए बर्तनों एवं एयर कंडीशन जैसी सुविधाओं का उपयोग एवं बाद में उन्हें पुनः ले लेना 'VIP culture' की वास्तविकता को दर्शाता है।

इस प्रकार हम वी.आई.पी. संस्कृति को विभिन्न रूपों में देख सकते हैं। इनके सुधार के लिए राजनेता व अफसरों में करुणा, सेवा, समानुभूति जैसे मूल्यों को विकसित करने की जरूरत है। लेकिन लाल बत्ती पर प्रतिबंध इन सुधारों के लिए एक उचित पहल मानी जा सकती है।

"Every long journey begins with a single step."

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) To what extent can financial incentives help shape attitude towards social issues? Discuss with relevant examples. 10

(b) किस हद तक आर्थिक प्रोत्साहन सामाजिक मुद्दों के प्रति अभिवृत्ति को आकार देने में सहायता कर सकते हैं? प्रासंगिक उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए।

अभिवृत्ति को बदलने में 'पुरस्कार व दंड' की प्रक्रिया या माध्यम, एक प्रभावी विकल्प है। विशेषत: आर्थिक प्रोत्साहन विभिन्न सामाजिक मुद्दों के प्रति अभिवृत्ति को बदलने में प्रभावकारी भूमिका निभाता है।

विभिन्न सामाजिक मुद्दा जैसे वंचित वर्ग के प्रति भेदभाव (दलित हिंसा, महिला के प्रति अत्याचार आदि), अपराध आदि के संदर्भ में लोगों की अभिवृत्ति को बदला जाना आवश्यक है।

किसी अपराध के घटित होने के दौरान पीड़ित का पक्ष लेने वाले व्यक्ति को आर्थिक पुरस्कार दे कर अन्य लोगों में भी इसमें की सहायता हेतु प्रोत्साहित किया जा सकता है। कुछ माह पूर्व एक रेलवे कर्मचारी द्वारा 3 लाख रुपये से भरा बैग उसके मालिक तक पहुँचाने के लिए उसे आर्थिक पुरस्कार दिया

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गया। इस तरह की नीति अन्य लोगों को नैतिक कार्य करने व सामाजिक पूर्वाग्रहों को दूर करने हेतु प्रोत्साहित करती है।

दुर्घटना के समय घायलों को अस्पताल पहुँचाने वाले व्यक्ति, महिलाओं के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार करने वाले व्यक्ति; शौचालय अभाव में विवाह नहीं करने वाली लड़कियाँ, इत्यादि को आर्थिक प्रोत्साहन देकर इन्हें 'आदर्श' के रूप में स्थापित किया जा सकता है ताकि लोगों की सामाजिक अभिवृत्ति में बदलाव हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) At times, moral behaviour can be constrained by the complexity of legal system. Explain. In this context, explain the purpose of legal protection for good samaritans in the case of road accidents. 10

(a) कई बार, नैतिक व्यवहार कानूनी प्रणाली की जटिलता के चलते निरूद्ध हो सकता है। व्याख्या कीजिये। इस संदर्भ में, सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में संकट के समय सहायता देने वाले अच्छे व्यक्तियों (good samaritans) के लिए कानूनी संरक्षण के उद्देश्य को समझाएं।

"कई बार नैतिक होने के लिए कानूनी होना पड़ता है।" जेरी कार्वे

सामान्य या प्रशासनिक जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियाँ पैदा हो जाती हैं कि कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना अनैतिक प्रतीत हो सकता है। उदाहरण: अस्पताल में आए किसी गंभीर घायल मरीज़ (जिसे गोली लगी हो) का इलाज़ पुलिस द्वारा रिपोर्टिंग की प्रक्रिया के इंतज़ार में ना करना। यह कानूनी रूप से सही हो सकता है लेकिन नैतिक रूप से गलत है चूंकि रिपोर्टिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने तक मरीज़ की जान जा सकती है।

इसी संदर्भ में सड़क दुर्घटनाओं के समय सहायता प्रदान करने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

वाले लोगों को लंबी व जटिल पुलिस प्रक्रिया से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को कानून बनाने के निर्देश दिए हैं। इस कानून के उद्देश्य →

① नैतिक कार्य करने वाले लोगों को पुलिस जाँच में परेशान होने से बचाना।

② अच्छे व्यक्तियों को ऐसे कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना ताकि अधिकाधिक जानें बचाई जा सकें।

③ भारत जैसे अवसंरचनात्मक अभाव (एंबुलेंस की कमी) वाले देश में यह महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार अच्छे व्यक्तियों को आदर्श बनाकर अन्य लोगों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Examine the different ethical issues involved in the use of public shaming as a punitive measure. Do you think this is an appropriate measure to address the problem of rising crime rates. 10

(b) दंडात्मक उपाय के रूप में सार्वजनिक रूप से लज्जित करने (public shaming) जैसे उपायों से जुड़े विभिन्न नैतिक मुद्दों का परीक्षण कीजिए। क्या आप मानते हैं कि बढ़ते अपराध दर की समस्या हल करने के लिए यह उपयुक्त उपाय है।

"किसी भी दंड की कठोरता इसी आधार पर होनी चाहिए कि वह अपराधी को सुधरने का मौका या दे।"

— महात्मा गांधी

दंडात्मक उपाय के रूप में सार्वजनिक रूप से लज्जित करने जैसे उपायों से जुड़े नैतिक मुद्दे →

① अपराधी का अपराध की पुनरावृत्ति से रोकना।

② अपराध के लिए दंड अन्य लोगों हेतु प्रतिरोधक (deterrent) के रूप में कार्य करता है।

लेकिन इस उपाय का प्रयोग कम से कम एवं युक्तिसंगत रूप से ही करना चाहिए क्योंकि कई

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बार जाँच की प्रक्रिया गलत तथ्यों पर आधारित हो सकती है। साथ ही इस दंड का प्रयोग किस पर किया जा रहा है यह भी महत्वपूर्ण है। उदाहरणतः हाल ही में एक शिक्षिका द्वारा एक छात्रा को स्कूल यूनिफॉर्म में न आने के कारण लड़कों के शौचालय के सामने खड़ा रहने का दंड दिया। जिसके कारण शर्मिंदा होकर उस 6 वीं कक्षा की छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की।

लेकिन बार-बार अपराध करने वाले लोगों के खिलाफ यह उपाय अपनाया जा सकता है।

अतः इस उपाय का प्रयोग सावधानी-पूर्वक किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Why did Gunnar Myrdal use the term 'soft state' in the context of South Asia? Do you think such a characterisation is still relevant in the case of India today? 10

(a) गुन्नार मिर्डल ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में 'मृदु राज्य' का प्रयोग क्यों किया है ? क्या आप मानते हैं कि इस प्रकार का विशेषीकरण आज के भारत के संदर्भ में भी प्रासंगिक है?

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Intolerance can be linked both to prejudices and value judgments. Elaborate with relevant examples. Also discuss how intolerance can be countered in a multicultural society like India. 10

(b) असहिष्णुता को पूर्वाग्रह और मूल्यानुमानों (value judgments) दोनों से जोड़ा जा सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही चर्चा कीजिए कि भारत जैसे बहुसांस्कृतिक समाज में असहिष्णुता का प्रतिकार कैसे किया जा सकता है।

असहिष्णुता किसी स्वयं से भिन्न मत, विचार, धर्म, संप्रदाय के विरुद्ध नकारात्मक व ईर्ष्यापूर्ण अभिवृत्ति रखने से है।

असहिष्णुता के विभिन्न कारण हैं ->

(1) पूर्वग्रह -> किसी भिन्न समुदाय के बारे में जानकारी का अभाव एवं परिवार व समाज में व्याप्त पूर्वग्रहों के कारण व्यक्ति का समुदाय या विचार के प्रति नफरत का भाव पैदा हो सकता है।

(2) अपने समूह से भिन्न मूल्यों वाले समूह के लिए भी असहिष्णुता उत्पन्न हो सकती है। इसे 'नृजातिकेंद्रवाद'

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कहा जाता है उदा॰ किसी धर्म में माँसाहार प्रतिबंधित है तो माँस खाने वाले अन्य धार्मिक समूह के प्रति वह नकारात्मक अभिवृत्ति रखेगा जो असहिष्णुता पैदा करती है।

बहुसांस्कृतिक समाज में असहिष्णुता घटाने के उपाय :-

① शिक्षा में सभी धार्मिक समूहों के मूल्यों की जानकारी देना।

② सांप्रदायिक सौहार्द वाले मंचों व उत्सवों का आयोजन।

③ विभिन्न धार्मिक त्योहारों को साथ मिलकर मनाना।

④ कर्नाटक के गाँवों में क्रिकेट क्लब बनाए गए है जिसमें हर टीम में कम से 4 धर्मों के लोग होना जरूरी है।

सहिष्णुता कट्टरपंथ व पूर्वाग्रह का अभाव एवं वस्तुनिष्ठता को अपनाना है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Social attitude towards corruption has become more forgiving with time leading to a view of illegal gains and misappropriation of public assets as a "rightful" individual prerogative. Analyse in the context of India. 10

समय के साथ भ्रष्टाचार के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण अधिक क्षम्य बन गया है जिससे "उचित" व्यक्तिगत विशिष्टाधिकार के रूप में गैर-कानूनी लाभों और सार्वजनिक परिसंपत्तियों के दुर्विनियोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भारत के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

पब्लिक अफेयर सेंटर, बैंगलोर के अनुसार भारत में लोक सेवा में भ्रष्टाचार का मुख्य कारण समाज में भ्रष्टाचार के प्रति सहमति (acceptance) है।

उदाहरणतः प्रतिदिन ट्रैफिक सिग्नल पर नियम तोड़ने पर बड़े चालान से बचने के लिए रिश्वत देना आम बन चुका है।

भ्रष्टाचार के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण या सहमति का प्रायमिक उदाहरण घरों में देखा जा सकता है जहाँ किसी कार्य को करने हेतु बच्चों को कर्तव्य का मूल्य ना सिखाकर आर्थिक प्रलोभन देना है। (घरेलू) यह व्यक्तिगत भ्रष्टाचार सार्वजनिक सेवा में विशिष्टाधिकार बन

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाता है।

2जी स्पेक्ट्रम, कोयला आबंटन, बोफोर्स घोटाले जैसे भ्रष्टाचार कृत्यों में हम घुला हुआ पाते हैं।

भ्रष्टाचार के प्रति तटस्थ रहना भी इसके सहमति प्रदान करना है। इसी संदर्भ में कहा भी गया है कि -

"कुराई की जीत का एकमात्र कारण यही है कि अच्छे लोग कुछ नहीं करते।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the factors which draw people to public service? Suggest measures to keep public servants motivated. 10

लोगों को लोक सेवा की ओर आकर्षित करने वाले कारक क्या हैं? लोक सेवकों को प्रेरित रखने के उपाय सुझाइए।

निजी क्षेत्र की बढ़ती भूमिका के बावजूद भी लोक सेवा रोजगार का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है जिसके कारण निम्न है →

① लोक सेवा से जुड़ा सामाजिक पूर्वाग्रह।
② रोजगार स्थायित्व।
③ भ्रष्टाचार की गुंजाइश।
④ जनता की सेवा करने का वह अवसर जहाँ आप आजीविका भी चला सकते है।
⑤ औपनिवेशिक काल से लोक सेवा से जुड़ा सम्मान या रुतबा।

लोक सेवकों को प्रोत्साहित करने के उपाय निम्न हैं —

① प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) चयन में वस्तुनिष्ठता व पारदर्शिता का पालन।

(3) ईमानदार लोक सेवकों को सम्मानित करना ताकि वे आदर्श बनें।

(4) लोक सेवकों की जिम्मेदारियों को पुरस्कार से जोड़ना।

(5) पदोन्नति में दक्षता, किए गए कार्य एवं योग्यता के मानदंड अपनाना।

(6) कार्य संस्कृति को सरल एवं सहयोगात्मक बनाना।

बढ़ते भ्रष्टाचार के साथ, बढ़ती भौतिकवादिता के संदर्भ में लोक सेवकों का सेवा के प्रति प्रोत्साहित बना रहना अतिआवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Corporate Governance provides a framework that defines the rights, roles and responsibilities of various groups within an organization. (a) Elaborate the need to incorporate the principles of Corporate Governance to enhance the effectiveness of the public sector enterprises. (b) Identify the challenges specific to the public sector when it comes to the application of good practices of corporate governance. 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस वह ढांचा प्रदान करता है जो संगठन के भीतर विभिन्न समूहों की भूमिकाएं, अधिकार और उत्तरदायित्व परिभाषित करता है। (a) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों को समाविष्ट करने की आवश्यकता का सविस्तार वर्णन कीजिए। (b) जब कॉरपोरेट गवर्नेंस की अच्छी पद्धतियों के अनुप्रयोग की बात आती है तो सार्वजनिक क्षेत्र के लिए विशिष्ट चुनौतियों की पहचान कीजिए।

"कॉर्पोरेट गवर्नेंस ; कॉर्पोरेट निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेयता के बारे में है।"

(a) सार्वजनिक उपक्रमों में बढ़ती प्रभावशीलता को सुधारने हेतु निम्न कदम उठाए जा सकते हैं--

(1) चयन प्रक्रिया को योग्यता आधारित पारदर्शी व वस्तुनिष्ठ बनाना।

(2) पदोन्नति में कार्य निष्पादन व योग्यता को ही महत्व देना।

(3) उपक्रमों के बोर्ड प्राधिकारियों की शक्तियां व उत्तरदायित्व को स्पष्ट

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिभाषित करना।

(4) लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली को अपनाना।

सार्वजनिक क्षेत्र में कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अच्छी पद्धतियों के अनुप्रयोग में चुनौतियाँ →

(i) अत्यधिक सरकारी हस्तक्षेप।

(ii) शक्तियों की अस्पष्टता।

(iii)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Emotions, earlier considered as an irrational factor in decision-making, are now recognised as a critical factor of judgment. In this regard, answer the following questions: (a) How can Emotional Intelligence help in coping with the intense pressure and occupational stress faced by police officers and armed forces in discharge of their duties? (b) What are the some of the concerns in incorporating and assessment of emotional intelligence skills in public service? 10

भावनाओं को, जिन्हें निर्णय लेने में पहले एक अतार्किक कारक माना जाता था, अब निर्णय का महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) अपने कर्तव्यों का निर्वहन में पुलिस कर्मियों और सशस्त्र बलों द्वारा सामना किए जाने वाले तीव्र दबाव और कार्य सम्बन्धी तनाव (occupational stress) का मुकाबला करने में भावात्मक प्रज्ञता (Emotional Intelligence) किस प्रकार सहायता कर सकती है?

(b) लोक सेवा में भावात्मक प्रज्ञता कौशल को समाविष्ट करने और आंकलन सम्बन्धी कुछ चिंताएं क्या हैं?

भावनात्मक प्रज्ञता से तात्पर्य अपनी भावनाओं पर नियंत्रण एवं अन्य लोगों की भावनाओं को उनकी भाषा, शारीरिक अभिव्यक्ति एवं हावभाव से समझने से है।

(a) भावनात्मक प्रज्ञता निम्न रूपों में पुलिस कर्मियों व सशस्त्र बलों के तनाव को कम कर सकती है-

i) उच्च भावनात्मक प्रज्ञता वाला व्यक्ति कार्य संबंधी तनाव को अपने निजी जीवन पर नहीं पड़ने देता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) जनता की भावना के अतिशीघ्र आँकलन संघर्ष से बचा जा सकता है। उदा० सांप्रदायिक तनाव के समय।

(3)

(b) लोक सेवा में भावात्मक प्रज्ञता कौशल को समाविष्ट करने और आकलन संबंधी चिंताएँ →

(1)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You, a manager in one of the top IT firms in the country, are tasked with hiring new recruits for an upcoming project. You find that the company has given tacit instructions of not hiring female candidates in view of the new maternity law passed by the Government. You find this highly objectionable and lodge a protest with people in the higher management but they are firm as they want to cut down all the unnecessary costs.
Based on this information, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and their interests in the situation.

(b) What are the dilemmas that a recruiting manager may face in such a scenario?

(c) What are the different options available to you? Which one will you pursue and why? 20

आप देश की एक शीर्ष आईटी कंपनी के प्रबंधक हैं। आपको आगामी परियोजना के लिए नई भर्तियां करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। आप पाते हैं कि सरकार द्वारा पारित किए गए नवीन मातृत्व कानून के आलोक में कंपनी ने महिला अभ्यर्थियों की भर्ती न करने का अकथित निर्देश दिया गया है। आप इसे अत्यधिक आपत्तिजनक पाते हैं और प्रबंधन के उच्च अधिकारियों से विरोध जताते हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं क्योंकि वे सभी अनावश्यक व्यय में कमी करना चाहते हैं।

इस जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस स्थिति में हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(b) वे धर्मसंकट क्या हैं जिनका ऐसी परिस्थिति में भर्ती प्रबंधक द्वारा सामना किया जा सकता है?

(c) आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं? आप किसका अनुसरण करेंगे और क्यों?

"विभिन्नता प्राकृतिक होती है लेकिन असमानता कृत्रिम।"

ऐतिहासिक रूप से महिलाओं के मातृत्व धारण करने की प्राकृतिक विभिन्नता के पुरुषों ने नकारात्मक अभिवृत्ति के कारण विषमता या भेदभाव में बदल दिया है। मातृत्व लाभ हेतु सुरक्षा के लिए सरकार ने 26 सप्ताह के वेतन वाले अवकाश का प्रावधान रखा है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस स्थिति में मुख्य हितधारक हैं -

(1) महिलाएँ → कंपनी में कार्यरत एवं कार्य करने की आवेदक।

(2) ~~कंपनी~~ (हित) → प्राकृतिक विशिष्टता (मातृत्व) के कारण भेदभाव का सामना।

(2) कंपनी → (हित)

निम्न क्षेत्र आर्थिक लाभ की अवधारणा पर कार्य करता है। महिला कर्मचारी के वैतनिक अवकाश से कंपनी को हानि एवं बालग्रह (क्रेच) के लिए अतिरिक्त व्यय।

(3) प्रबंधक → (हित)

समानता स्थापित करने व कंपनी में न्यायपूर्ण नीति निर्माण।

(4) समाज → समतापूर्ण समाज की स्थापना हेतु यह नीति महत्वपूर्ण है।

(b) भर्ती प्रबंधक द्वारा सामना किए जाने वाले धर्मसंकट ->

i) कंपनी हित बनाम व्यक्तिगत मूल्यों का मुद्दा।

ii) आर्थिक लाभ बनाम सामाजिक समानता

iii) कंपनी के निर्देश की अनुपालना बनाम लैंगिक भेदभाव

iv)

(c) मेरे (प्रबंधक) के पास निम्न विकल्प उपलब्ध है —

① कंपनी के निर्देश का पालन व नई भर्ती में केवल पुरुषों का चयन।

② कंपनी के निर्देश की अवहेलना एवं योग्यता आधारित चयन।

③ कंपनी के अधिकारियों से बात करना एवं उन्हें ~~अपना~~ उनकी नीति के दुष्प्रभाव (कंपनी पर) को विस्तृत रूप में समझाना।

इनमें अंतिम विकल्प सर्वोत्तम है। मैं कंपनी के अधिकारियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के समक्ष निम्न तर्क पेश करूँगा -

- महिलाओं का चयन न करने पर कुछ कुशल कर्मचारी (भावी) कंपनी को नहीं मिलेंगी
- अन्य कंपनी द्वारा महिलाओं के चयन से प्रतिस्पर्धी कंपनी को आर्थिक लाभ साथ ही मेरी कंपनी की छवि महिला विरोधी प्रदर्शित होने पर उपभोक्ताओं में कमी हो सकती है
- कंपनी की समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास दिलाना।

इस नीति के अनुसरण से मेरा नैतिक द्वंद्व भी खत्म हो जाएगा और यह विकल्प अंतिम रूप से कंपनी के हित में ही होगा।

कंपनी के आर्थिक लाभ हेतु कुछ अन्य विकल्प भी अपनाए जा सकते हैं →

- महिला कर्मचारी को मातृत्व लाभ के दौरान घर से कार्य करने की

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुमति देना।

इस प्रकार समाज के प्रत्येक भागीदार द्वारा अपनी भूमिका सही तरीके से निभाकर सामाजिक समानता स्थापित की जा सकती है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि कंपनी के अधिकारी मेरे तर्कों से सहमत होंगे और चयन में मात्र योग्यता को आधार बनाने का निर्देश दिया जाएगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. There has been a perceptible rise in the cost of healthcare services provided by private hospitals. In absence of adequate and quality government hospitals, people are forced to opt for private hospitals, especially for life threatening diseases and injuries. You recently visit one of your friends admitted in a famous private hospital. You found out that the hospital is charging a huge amount of money, which seems to be unreasonable. You confront the staff and ask them to explain the rationale behind such high charges.

Their response is that the charges are fair for the kind of services they are providing.

(a) What are the ethical issues involved in this situation?

(b) Given how other professions price their services, discuss the feasibility of capping the amount of fees charged by doctors and private hospitals.

(c) How can the provision of quality services and need for profit be reconciled with society's interests in this case? 20

निजी अस्पतालों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में सुष्पष्ट वृद्धि हुई है। पर्याप्त और गुणवत्ता पूर्ण सरकारी अस्पतालों के अभाव में, लोग निजी अस्पतालों का विकल्प चुनने के लिए विवश हैं, विशेषकर जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों और चोटों हेतु। आप हाल ही में एक प्रसिद्ध निजी अस्पताल में भर्ती अपने मित्र से मिलने जाते हैं। आपको पता चलता है कि अस्पताल बड़ी धनराशि वसूल रहा है जो आपको अनुचित या आवश्यकता से अधिक प्रतीत होता है। आप कर्मचारियों से बातचीत करते हैं और उनसे इस प्रकार के उच्च शुल्क के पीछे का तर्क समझाने के लिए कहते हैं।

उनकी प्रतिक्रिया यह है कि उनके द्वारा जिस प्रकार की सेवाएँ प्रदान की जाती हैं उसके लिए यह शुल्क उचित है।

(a) इस स्थिति से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) यह देखते हुए कि अन्य व्यवसाय अपनी सेवाओं का मूल्य कैसे तय करते हैं, चिकित्सकों और निजी अस्पतालों द्वारा आरोपित शुल्क की राशि पर सीमा निर्धारित करने की व्यवहार्यता पर चर्चा कीजिए।

(c) इस प्रकरण में गुणवत्ता परक सेवाओं के प्रबंध और लाभ की आवश्यकता का समाज के हितों के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित किया जा सकता है?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the District Magistrate in a district where a significant number of transgenders reside. While discrimination against the community is well known, commuters increasingly complain of harassment at their hands, especially at traffic junctions where transgenders are mostly involved in begging. This, at times, also leads to traffic management issues. You have received a number of complaints in this regard and have to act quickly to resolve it. However, a group of transgender associations argue that begging is their only source of livelihood.

Given the situation, answer the following questions:

(a) Describe the ethical issues involved in this case. Discuss the attitude of people towards transgenders in general and reasons for the same.

(b) What possible courses of action can be undertaken in such situations? Discuss their merits and demerits. 20

आप ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट हैं जहां ट्रांसजेंडर की बड़ी संख्या रहती है। यद्यपि इस समुदाय के विरूद्ध भेदभाव सुविदित है, तथापि यात्री उनके हाथों, विशेषकर यातायात जंक्शनों पर अधिकाधिक उत्पीड़न की शिकायत करते हैं, जहां ट्रांसजेंडर अधिकांशतः भीख मांगने में शामिल होते हैं। कभी-कभी, इससे यातायात प्रबंधन की समस्या भी पैदा होती है। इस संबंध में आपको कई शिकायतें मिली हैं और इसे हल करने के लिए शीघ्र कार्रवाई करनी है। हालांकि, ट्रांसजेंडर संघ के एक समूह का कहना है कि भीख मांगना उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों का वर्णन कीजिए। ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति जनसामान्य के सामान्य दृष्टिकोण और उसके कारणों पर चर्चा कीजिए।

(b) ऐसी स्थिति में क्या संभव कार्रवाई की जा सकती है? उनके गुणों और अवगुणों पर चर्चा कीजिए।

उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में भारत की छवि को भिक्षावृत्ति एवं वंचित समूहों के प्रति भेदभाव जैसी प्रवृत्तियों ने धूमिल किया है।

इस प्रकरण में निम्न हितधारक शामिल हैं →

① ट्रांसजेंडर्स
② सामान्य जनता (यात्री)
③ ट्रैफिक पुलिस
④ जिला मजिस्ट्रेट
⑤ समाज

ⓑ इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दे ->
① ट्रांसजेंडर्स की आजीविका एवं उनके साथ होने वाला भेदभाव
② नियमों / कानून का शासन बनाम आजीविका स्रोत
③ सरकार की कल्याणकारी एवं समतापूर्ण समाज स्थापित करने में असफलता
④ भिक्षावृत्ति।

ट्रांसजेंडर्स के प्रति जन-सामान्य का दृष्टिकोण कुछ संदर्भों में नकारात्मक पाया जाता है। कुछ लोग इस वंचित समूह को कमजोर एवं नाकारा समझते हैं। साथ ही कुछ लोग अतिसंवेदनशीलता का परिचय देकर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इनकी भिक्षावृत्ति को बढ़ावा भी देते हैं।

जनसामान्य के दृष्टिकोण के कारण:-

1. पूर्वाग्रह
2. भय -> सामान्यतः जानकारी के अभाव में व्यक्ति ऐसे समूह से भयभीत रहता है जिसे वह जानता ना हो।
3. समाज की मुख्य धारा में ट्रांसजेंडर्स को शामिल न करने के कारण।
4. शिक्षा प्रणाली भी इनके प्रति उचित सकारात्मक अभिवृत्ति विकसित करने में असफल रही है।

(b) ऐसी स्थिति में संभावित कार्यवाई -

1. ट्रैफिक लाइट से पुलिस बल प्रयोग द्वारा उन्हें हटाना।

गुण -> यातायात का सुगम संचालन संभव।

दोष -> समस्या का आंशिक समाधान है
-> ट्रांसजेंडर्स समुदाय में रोष

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) इंसजेंडर्ड समुदाय से सड़क पर भिक्षावृत्ति नहीं करने के लिए कहना।

(गुण) -> संभव है कि प्रशासनिक कार्यवाही के डर से वे सड़क पर भीख ना मांगे।

(दोष) - कहीं और भीख मांगने से उनकी आजीविका का स्थायी समाधान नहीं मिलेगा।

(3) उन्हें आजीविका के अन्य विकल्प उपलब्ध करवाना साथ ही ट्रैफिक लाइट पर भिक्षावृत्ति के संबंध में दंडात्मक प्रावधान।

यह सर्वाधिक उचित विकल्प है क्योंकि इसे 'भिक्षावृत्ति के व्यवसाय' पर रोक लगेगी। साथ ही अन्य विकल्पों द्वारा उनकी आजीविका सुरक्षित की जा सकती है। जैसे—

- विभिन्न NGOs की सहायता से

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उन्हें घरेलू उद्योग जैसे आचार बनाना, सिलाई, बुनाई आदि हेतु कौशल प्रदान करवाना ताकि स्व-रोजगार प्राप्त कर सकें।

- खाद्य सुरक्षा एक्ट के तहत खाद्य पदार्थों की आपूर्ति (PDS प्रणाली)
- शिक्षा के अधिकार के तहत कम उम्र के ड्रॉपआउट्स को शिक्षा ताकि भविष्य में रोजगार प्राप्त कर सकें।
- उनके खिलाफ होने वाले अत्याचारों (हिंसा) पर त्वरित कार्यवाही करना इत्यादि।

सेंट्रल सिविल सर्विसेज रूल्स, 1964 के अनुसार एक सिविल सेवक को वंचित वर्ग के प्रति दया का भाव रखना चाहिए (Section 3) ताकि लोक कल्याणकारी, समतापूर्ण समाज की स्थापना की जा सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Mr. X is the head of an NGO working in the field of environment conservation and protection. He is in dire need of funds for the NGO's operations and payments to his staff. He is approached by an official of a large infrastructure company, who is ready to provide the required funding for the NGO. But, in a quid pro quo, he asks Mr. X to raise objections over the bypassing of Environmental Impact Assessment (EIA) norms in an ongoing PPP project through his NGO. This project is being implemented by a rival infrastructure company. Mr. X knows that there have been instances of high level corruption in the process of granting EIA to mega projects and the information provided by the official seems to be authentic. Hence, he accepts the money and agrees to raise the objection.

(a) Considering the circumstances of the case, is Mr. X correct in accepting the money? Give appropriate reasons for your answer.

(b) If you were in place of Mr. X, what would have been your course of action? Give reasons for it. 20

श्री एक्स पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक NGO (गैर सरकारी संगठन) के प्रमुख हैं। उन्हें NGO के संचालन और कर्मचारियों को भुगतान करने हेतु धन की अत्यन्त आवश्यकता है। एक बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का एक अधिकारी उनसे संपर्क करता है। कंपनी NGO के लिए आवश्यक फंड उपलब्ध कराने को तैयार है। लेकिन उसके बदले वह कंपनी यह चाहती है कि श्री एक्स अपने NGO के माध्यम से चल रही PPP परियोजना में पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) मानदंडों की अवहेलना पर आपत्तियां उठाएं। यह परियोजना प्रतिद्वंद्वी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। श्री एक्स को पता है कि बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए EIA प्रदान करने की प्रक्रिया में उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं और अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी प्रामाणिक प्रतीत होती है। इसलिए, वह धन स्वीकार कर लेते हैं और आपत्ति उठाने के लिए सहमत हो जाते हैं।

(a) प्रकरण की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, क्या श्री एक्स का धन स्वीकार करना सही है? अपने उत्तर के लिए उचित कारण दीजिए।

(b) यदि आप श्री एक्स के स्थान पर होते, तो आप क्या कदम उठाते? इसके कारण बताइए।

इस प्रकरण के संदर्भ में निम्न तथ्य ध्यान में रखने योग्य है—

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

① यहाँ यह स्पष्ट नहीं है कि परियोजना चलाने वाली कंपनी ने पर्यावरण प्रभाव आकलन के मानदंडों की अवहेलना की है या नहीं।

② NGO को धन की आवश्यकता है।

③ बड़े प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन में EIA अवहेलना व भ्रष्टाचार के केस सामने आए हैं।

इस प्रकरण में हित धारक ->

① NGO
② कंपनी
③ प्रतिद्वंद्वी कंपनी
④ पर्यावरण
⑤ समाज
⑥ सरकार

ⓐ इस प्रकरण में डी रवास द्वारा धन स्वीकार करना नैतिक रूप से सही नहीं है। इसके पीछे निम्न कारण हैं ->

① NGOs का मुख्य उद्देश्य समाज के हित में बिना किसी लाभ की अपेक्षा के कार्य करना है। प्रतिद्वंद्वी कंपनी के द्वारा EIA की अवहेलना पर आपत्ति NGO का मूल कार्य है यदि इसके

लिए धन लेना उचित नहीं।

(2) हो सकता है धन प्रेषित करने वाली कंपनी कॉन्ट्रैक्ट न मिलने पर बदले की भावना से कार्य कर रही हो।

(3) यह NGO की वित्तीय समस्या का स्थायी समाधान नहीं।

(4) यह NGO की निष्पक्षता की नीति पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

(b) अगर मैं डॉ राघव के स्थान पर होता तो मैं निम्न विकल्पों पर विचार करता →

(1) वित्तीय समस्या हेतु सरकारी सहायता का प्रयास करता।

(2) चल रहे प्रोजेक्ट की जाँच हेतु सूचना के अधिकार के तहत EIA की जानकारी हेतु आवेदन करता ताकि EIA अवहेलना की संभावना की वास्तविक स्थिति का पता लग सके एवं प्रमाण मिलने पर आपत्ति जताना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कंपनी द्वारा धन प्रेषित करने के ऑफर को विनम्रतापूर्वक तरीके से मना करना और यह तर्क देना है कि किसी कंपनी द्वारा किए गए भ्रष्टाचार पर आपत्ति जताना NGO का मुख्य उद्देश्य है और इसके लिए किसी से धन की अपेक्षा करना NGO के आदर्शों व व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा के खिलाफ है।

इन सभी विकल्पों को एक साथ अपनाकर इस समस्या का संभावित रूप से हल निकाला जा सकता है। सिविल सोसायटी की भूमिका एक न्यायपूर्ण समाज व पारदर्शी शासन हेतु महत्वपूर्ण है। अतः इनका निष्पक्ष व तटस्थ होना वांछित है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are a civil servant posted in a state where elections were recently held. The newly elected Chief Minister had promised to ban alcohol in several of his election campaigns as well as his election manifesto, which was widely praised and supported by women of the state. Fulfilling his electoral promise, the Chief Minister has ordered a blanket ban on the sale of alcohol in the state. Following the ban, concerns have been raised about the feasibility of the ban and whether the government should interfere in what is considered by many to be a matter of personal choice.

(a) Who are the stakeholders in this case and how are they affected by the ban?

(b) Is blanket ban on alcohol a feasible action?

(c) Identify the issues that may arise while enforcing the ban and the steps you will take to handle them, as a civil servant. 25

आप एक ऐसे राज्य में सिविल सेवक के रूप में तैनात हैं जहां हाल ही में चुनाव हुए थे। नव निर्वाचित मुख्यमंत्री ने अपने कई चुनावी अभियानों के साथ-साथ चुनाव घोषणापत्र में शराब पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था, जिसकी राज्य की महिलाओं ने व्यापक रूप से प्रशंसा की थी और समर्थन दिया था। अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए, मुख्यमंत्री ने राज्य में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध का आदेश दिया है। प्रतिबंध के बाद, प्रतिबंध की व्यवहार्यता पर प्रश्न उठाए गये हैं और क्या सरकार द्वारा शराब पर प्रतिबन्ध जिसे कई लोगों द्वारा व्यक्तिगत पसंद का विषय बताया गया है, उस मुद्दे पर हस्तक्षेप करना चाहिए।

(a) इस मामले में हितधारक कौन हैं और प्रतिबंध से वे किस प्रकार प्रभावित हैं?

(b) क्या शराब पर पूर्ण प्रतिबन्ध एक व्यवहार्य कार्रवाई है?

(c) एक सिविल सेवक के रूप में इन प्रतिबंधों को लागू करते समय उत्पन्न होने वाली समस्याओं की पहचान करें और उनसे निपटने हेतु आप क्या कदम उठाएंगे।

राज्य की नीति निदेशक तत्वों में यह प्रावधान है कि राज्य इकाई है अतिरिक्त नशे के अन्य उपयोग को न्यूनतम करने हेतु कार्य करेगा। इसी संदर्भ में कुछ राज्यों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a)

हितधारक	प्रतिबंध का प्रभाव
(1) शराब पीने वाले	→ व्यक्तिगत स्वतंत्रता (शराब पीने की या भोजन व पेय का चयन) का हनन।
(2) महिलाएँ	→ घरेलू हिंसा एवं इनके प्रति अपराध में कमी की संभावना।
(3) सरकार	→ राजस्व की हानि पर शराब प्रतिबंध से अपराध कम के कारण शांति स्थापना।
(4) शराब कारोबारी	→ आर्थिक हानि
(5) प्रशासनिक तंत्र	→ अवैध शराब तस्करी पर रोक की चुनौती।

(b) शराब पर पूर्ण प्रतिबंध विभिन्न कार्यवाहियों के साथ व्यवहार्य है →

i) शराब प्रतिबंधित राज्य की सीमा से लगने वाले सभी राज्यों में शराब प्रतिबंध हो।

ii) प्रशासनिक तंत्र इतना सुदृढ़ हो कि अवैध तस्करी को रोक सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

iii) शराब उपयोग पर कठोर दंडात्मक प्रावधान हो।

इन सभी शर्तों के एक साथ पूर्ण होने पर ही शराब पर पूर्ण प्रतिबंध व्यवहार्य हो सकता है अन्यथा विशाल जनसंख्या व विस्तृत भू-भाग में यह व्यवहार्य नहीं है।

(c) सिविल सेवक के समक्ष कार्यवाही के दौरान उत्पन्न समस्याएँ –

(i) अवैध तस्करी को रोकने हेतु भ्रष्टाचार पर लगाम।

(ii) विभिन्न राजनीतिक प्रभाव वाले लोगों के दबाव का सामना।

(iii) नशे के अन्य विकल्पों का प्रचलन बढ़ना। उदा० बिहार में शराब प्रतिबंध के बाद Godex, Whitener, Cough Syrup आदि के नशे लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है।

(iv) सिविल सेवक की व्यक्तिगत पसंद या नापसंद का कार्यवाही पर प्रभाव पड़ना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन समस्याओं के समाधान हेतु निम्न कदम उठाए जा सकते हैं:-

(1) नशा मुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ाकर (NGOs की सहायता से) नशे के अन्य तरीकों के प्रयोग पर रोक।

(2) नशा छोड़ने के लाभों के प्रसार करने हेतु लोगों को आदर्श रूप में स्थापित करना।

(3) अगर सिविल सेवक स्वयं शराब का सेवन करता है तो स्वयं को पशा सेवन छोड़कर आदर्श बनना। विशेषत: कर्मचारी वर्ग हेतु।

(4) अवैध शराब के पकड़े पड़ कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग भ्रष्टाचार व राजनीतिक दबाव से थोड़ी राहत दे सकेगी।

इन सभी के बावजूद भी इस तरह के प्रतिबंध केवल तभी व्यवहार में लाये जा सकते हैं जब लोग स्वयं इस तरह के कदम

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उठाएँ। अतः व्यक्तिगत पसंद वाले मुद्दों पर जन-जागरूकता एक अति आवश्यक तत्व है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Regulation and procedure of human clinical trials vary from nation to nation. Stem cell research, as an emerging biomedical field, requires approval for human trials and encounters multiple challenges. You are the head of a team of scientists who developed a new Tissue Engineering system, which appears to be a promising means of regenerating heart tissue. Trials of the system have already been conducted on animals and yielded good results. Millions of people suffering from critical heart diseases would benefit immensely if this medication is immediately made available to them. However, you need to conduct human clinical trials before it could be commercialised. It is also known that the stringent regulatory environment in the country will mean that human trials and final approval will take many years before it is made commercially available. On the other hand, regulation of clinical trials in many poor countries is weak and quick approval is possible. Many of your competitors also resort to human trials in these countries, often bribing the officials for getting quick approvals.

Given this situation, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues which arise during clinical trials.

(b) Given the above situation, would you prefer to shift human trials to a third country where regulations are lax? Give reasons in support of your choice.

(c) Suggest a framework of standard procedure to minimise ethical conflicts and speed-up the approval process of new medicines. 25

मानव पर नैदानिक परीक्षण (clinical trials) के विनियम और प्रक्रियाएं राष्ट्र दर राष्ट्र भिन्न हैं। एक उभरते बायोमेडिकल क्षेत्र के रूप में स्टेम सेल शोध के लिए मानवीय परीक्षणों हेतु स्वीकृति की आवश्यकता होती है और इसे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आप वैज्ञानिकों के एक दल के नेतृत्वकर्ता हैं जिन्होंने एक नई टिश्यू इंजीनियरिंग सिस्टम विकसित किया है जो हृदय के उत्तकों (टिश्यूज) को पुनः पैदा करने हेतु आशावान साधन नजर आता है। इस सिस्टम का पहले ही जानवरों पर परीक्षण किया जा चुका है और उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। गंभीर हृदय रोगों से जूझते लाखों-लाख लोगों को इसे अत्यधिक लाभ होगा यदि यह इलाज उनके लिए शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाता है। हालांकि इसके वाणिज्यीकरण से पूर्व मानव पर नैदानिक परीक्षण करने की आवश्यकता होती है। यह भी ज्ञात है कि इसके वाणिज्यिक रूप से (बाजार में) उपलब्ध होने से पूर्व देश में विनियमन संबंधी कठोर वातावरण के कारण मानवीय परीक्षण और अंतिम स्वीकृति में वर्षों लग जाएंगे। वहीं दूसरी ओर बहुत से गरीब राष्ट्रों में नैदानिक परीक्षण सम्बन्धी विनियमन ढीले हैं और शीघ्र स्वीकृति संभव है। आपके बहुत-से प्रतिद्वंदी भी नैदानिक परीक्षण हेतु प्रायः ऐसे राष्ट्रों का रुख करते हैं जहां वे अधिकारियों को रिश्वत दे कर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर लेते हैं।

दी गई परिस्थिति के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) नैदानिक परीक्षण के दौरान उभरने वाले नौतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।.

(b) दी गई उपर्युक्त परिस्थिति में, क्या आप मानवीय परीक्षणों को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करना पसंद करेंगे जहां विनियमन ढीले हैं? अपने चयन हेतु कारण दीजिए।

(c) नैतिक संघर्ष को कम करने एवं नई दवाइयों हेतु स्वीकृति की प्रक्रिया को तीव्र करने के लिए मानक प्रक्रिया का एक प्रारूप सुझाइए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

वैज्ञानिक परीक्षण से संबंधित नैतिक मुद्दों की अवहेलना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है।

इस प्रकरण में विभिन्न हितधारक निम्न हैं -

(1) हृदय रोगी
(2) वैज्ञानिक दल
(3) गरीब राष्ट्र जहाँ विनिमय होते हैं
(4) मानव जिन पर यह परीक्षण किया जाता है।

(a) वैज्ञानिक परीक्षण के दौरान उभरने वाले नैतिक मुद्दे -

(1) जिस मानव पर परीक्षण किया जाता है उसकी सहमति अथवा उसे जानकारी का अभाव।
(2) गरीब लोगों को आर्थिक प्रलोभन द्वारा उनकी विवशता का अनैतिक लाभ उठाना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) नैदानिक परीक्षण के दौरान नकारात्मक परिणाम आने पर मानव / जानवर में उपयुक्त विकृति का इलाज न करना।

(4) नैदानिक परीक्षण को पास करने हेतु रिश्वत देकर गलत रिपोर्ट को पेश करना।

(5) समस्या नैदानिक परीक्षण को लीड देश में स्थानांतरित करने में नहीं है बल्कि इस तथ्य में है कि वहाँ नैदानिक परीक्षण के दौरान किसी पारदर्शिता एवं जवाबदेहता के साथ कार्य किया गया है। अन्य शब्दों में

बिना रिश्वत दिए नैदानिक परीक्षण की स्वीकृति प्राप्त करना साथ ही जिस मानव पर नैदानिक परीक्षण किया जाना है उसकी बिना किसी दबाव के स्वीकृति के बाद ही लीड देश में नैदानिक परीक्षण किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग मे कुछ ना लिखो)

(c) प्रारूप

इन नैतिक संघर्षों से बचने के लिए एवं नई दवाइयों की स्वीकृति की प्रक्रिया को तीव्र करने हेतु मानक प्रक्रिया में निम्न बिंदु शामिल होने चाहिए –

(1) सरकार की भूमिका

सस्ती दर पर दवाई या चिकित्सा सुविधा प्रदान करना लोककल्याणकारी राज्य हेतु जरूरी है अत: सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुमति की प्रक्रिया में पारदर्शिता व जवाबदेयता तय की जा सकती है। उदा० –

- विशेषज्ञ समिति का निर्माण
- अनुमति प्रदानगी की प्रक्रिया समयबद्ध होनी चाहिए।
- विभिन्न हितधारकों को शामिल करना
- दंडात्मक प्रावधानों का उचित व सशक्त क्रियान्वयन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) परीक्षण करने वालों के कर्तव्य

- परीक्षण परिणामों में अनैतिक संशोधन ना करना।
- समाज के प्रति उत्तरदायित्व को देखते हुए महज आर्थिक लाभ हेतु लापरवाही या भ्रष्टाचार माध्यमों का सहारा न लेना।
- अपनी परीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना।
- परिणामों हेतु जवाबदेयता तय करना।

(3) • परीक्षण किए जाने वाले मानव की सहमति हेतु कानूनी प्रावधानों के अनुसार 'मॉडल प्रारूप' बनाना।
- नकारात्मक प्रभाव के संदर्भ में क्षतिपूर्ति के नियम।

(4) जानवरों के साथ भी परीक्षण के दौरान बुरा बर्ताव न करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखो)

इस प्रकार सभी हितधारकों को निर्णय निर्माण में भूमिका देकर इन समस्याओं का हल निकाला जा सकता है।